चसका नाम दा लग्गा जिन्हां नू

चसका नाम दा लग्गा जिन्हां नू, चसका नाम दा लग्गा
चित हरि चरणा विच्च लग्गा जिन्हां नू, चसका नाम ---

1. इक्को इक नू यार बनांदे
   ओसे दे दर अलख जगांदे
   दर दर खान ना धक्का, जिन्हां नू चसका नाम --

2. जाग पैन सुत्तियां तकदीरां
   हथां पैरां दियां लकीरां
   चम चम करदा मत्था, जिन्हां नू चसका नाम ---

3. जिन्हां नाम सहारे नामी
   वस कर लीता अंतर्यामी
   डंका ओहना दा वज्ञा, जिन्हां नू चसका नाम---

4. मधुपहरि तूं वी नाम सहारे
   कर लै भव तों पार उतारे
   कट्टे चौरासी फंदा, जिन्हां नू चसका नाम---

   नोट: सर्वाधिकार लेखक द्वारा सुरक्षित, भजन के शब्दों की तोड़ मोड़ करना सख्त वर्जित है.

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : चित्र विचित्र

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36887/title/chaska-naam-da-laga-jinha-nu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |